सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"जिस दिन आपने खुद को हरा दिया, उस दिन दुनिया आपको जीतने से नहीं रोक सकती।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	20°	12°
शनिवार	25°	13°
रविवार	26°	14°
सोमवार	25°	15°
मंगलवार	24°	14°
बुधवार	23°	13°
वीरवार	22°	12°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 20 FEBRUARY TO 26 FEBRUARY 2026 • VOLUME 31 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

एआई मानव इतिहास में परिवर्तनकारी अध्याय का प्रतीक : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने किया इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट भारत में आयोजित हो रहा है, जो मानवता के छठे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे बड़े तकनीकी प्रतिभा भंडार और समृद्ध प्रौद्योगिकी-सक्षम इकोसिस्टम है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल नई प्रौद्योगिकियों का निर्माण करता है, बल्कि उन्हें अभूतपूर्व गति से अपनाता भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 14 करोड़ भारतीय नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं और उनकी ओर से उन्होंने शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्राध्यक्षों, वैश्विक एआई इकोसिस्टम के नेताओं और नवप्रवर्तकों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना न केवल देश के लिए बल्कि विकासशील देशों के लिए भी गर्व की बात है।

मोदी ने बताया कि इस शिखर सम्मेलन में एआई जगत की जानी-मानी हस्तियां एक साथ आई हैं। 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और विश्व भर के प्रतिष्ठित प्रतिभागी शामिल होने से इस आयोजन की सफलता नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। उन्होंने शिखर सम्मेलन में युवा पीढ़ी की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे उन्हें नया आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा कि जहां नई तकनीकों को अक्सर शुरुआत में संदेह का सामना करना पड़ता है, वहीं जिस गति और विश्वास के साथ विश्व भर के युवा एआई को अपना रहे हैं, उस पर अपना अधिकार जता रहे हैं और उसका उपयोग कर रहे हैं, वह अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री ने एआई शिखर सम्मेलन की प्रदर्शनी के प्रति उत्साह, विशेष रूप से युवा प्रतिभाओं की बड़ी भागीदारी की भी सराहना की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कृषि, सुरक्षा, दिव्यांगजनों की सहायता और बहुभाषी आबादी की जरूरतों को पूरा करने में प्रस्तुत समाधान 'मेड इन इंडिया' की ताकत को दर्शाते हैं और एआई क्षेत्र में भारत की नवोन्मेषी क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानव इतिहास में हर कुछ शताब्दियों में एक ऐसा मोड़ आता है जो सभ्यता की दिशा बदल देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षण विकास की गति को बदल देते हैं और सोचने, समझने और काम करने के तरीकों को बदलाव लाते हैं। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के ऐसे दौर में अक्सर वास्तविक प्रभाव तुरंत समझ में नहीं आता। उन्होंने याद दिलाया कि जब पत्थरों से पहली बार चिंगारी निकली थी, तब किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि वही चिंगारी सभ्यता की नींव बनेगी। मोदी ने कहा कि जब बोली जाने वाली भाषा को पहली बार लिपि में बदला गया था, तब किसी को यह एहसास नहीं था कि लिखित ज्ञान, भविष्य की प्रणालियों की रीढ़ बनेगा। उन्होंने कहा कि जब पहली बार वायरलेस तरीके से सिग्नल भेजे गए थे, तब किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि एक दिन पूरी दुनिया एक-दूसरे से जुड़ जाएगी। मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव सभ्यता के ऐतिहासिक मोड़ के समान ही व्यापक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि आज जो देखा और अनुमान लगाया जा रहा है, वह इसके प्रभाव के केवल प्रारंभिक संकेत हैं।

प्रधानमंत्री ने समझाया 'मानव' का अर्थ

एम-मोरल एंड एथिकल सिस्टमः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नैतिक दिशा-निर्देशों पर आधारित होनी चाहिए।
ए-अकाउंटेबल गवर्नेंसः पारदर्शी नियम और सशक्त निगरानी।
एन-नेशनल सॉवरेन्टीः डेटा उसके असली स्वामी का है।
ए-एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिवः एआई को एकाधिकार नहीं, बल्कि गुणक बनना चाहिए।
वी-वैलिड एंड लेजिटीमेटः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कानूनी और सत्यापन योग्य होनी चाहिए।
उन्होंने कहा कि भारत का यह मानव विजन 21वीं सदी की एआई-संचालित दुनिया में मानवता के कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेगा।

डीजीपी गौरव यादव ने जालंधर में अति-आधुनिक एएनटीएफ रेंज दफ़्तर का किया उद्घाटन

राज्य से नशे के ख़ात्मे के लिए लिया अहद

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान को आगे बढ़ाते डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने गुरुवार को जालंधर में पुलिस लाईनज़ में नई बनी अति- आधुनिक एंटी-नारकोटिकस टास्क फोर्स (एएनटीएफ) जालंधर रेंज इमारत का उद्घाटन किया। डीजीपी के साथ विशेष डीजीपी एएनटीएफ कुलदीप सिंह, एडीजीपी एएनटीएफ नीलाभ किशोर और एडीजीपी स्टेट आर्म्ड पुलिस पंजाब एमएफ फारूकी भी मौजूद थे। ज़िक्रयोग्य है कि लगभग 9000 वर्ग फुट के कवरड क्षेत्र में फैली और 1.60 करोड़ रुपए की लागत के साथ बनी यह अति- आधुनिक इमारत, रेंज की कार्य-कुशलता को बढ़ाने और नशा तस्करी के साथ और प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार की गई है। इसमें गज़टिड अधिकारियों के लिए समर्पित दफ़्तर, जांच अधिकारियों और सहायक स्टाफ के लिए केबिन, रीडर का कमरा और एक आधुनिक कान्फ्रेंस रूम शामिल है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि अति- आधुनिक साधनों के साथ लैस इस सुविधा का उद्देश्य बड़े नशा तस्करों को रोक लगाना और राज्य में फैल रहे अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नैट्टवरकों को तबाह करना है। उन्होंने बताया कि इस विशेष यूनिट में मोबाइल और कंप्यूटर फोरेंसिक टूल, उन्नत डेटा विश्लेषण प्रणालियों, फोरेंसिक डेटा ऐकस्ट्रैकशन, डीक्रिपशन और विश्लेषण सामर्थ्य के साथ-साथ क्रिप्टोकरंसी की ट्रेकिंग वाले उपकरण भी शामिल है।

प्री-जीएसटी बकायों के लिए सरकार ने 91.10 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच कीं : चीमा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब के वित्त, आबकारी और कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि भगवंत मान सरकार व्यापार की सुविधा और सख्त टैक्स अनुपालन (टैक्स नियमों की पालना) के बीच मजबूती से संतुलन बनाए रख रही है, जिसके चलते पंजाब कर विभाग ने जी.एस.टी. व्यवस्था से पहले के कर बकायों की वसूली के लिए एक बड़ी मुहिम के तहत 91.10 करोड़ रुपये की 136 संपत्तियां अटैच की हैं। उन्होंने कहा कि जहां सरकार ने व्यापारियों को पुराने बकाये चुकाने में मदद करने के लिए एक बहुत ही लाभदायक एकमुश्त निपटान योजना की अवधि बढ़ाई है, वहीं लगातार डिफॉल्टर रहने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा रही है।

स्पीकर द्वारा पंथक मर्यादा की रक्षा के लिए एकजुट होने का न्यौता

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने गुरुवार को सिख संगत को पंथक मर्यादा की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही समय की मुख्य ज़रूरत है। सिख संस्थाओं के प्रबंधकों को लेकर बढ़ रही चिंताओं का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब सामूहिक आत्मनिरीक्षण और सुधारात्मक कार्रवाई का समय आ गया है। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने कहा कि मैं संगत और पंथक क्षेत्रों से अपील करता हूं कि वे पंथक मर्यादा की रक्षा के लिए इक्ट्ठे हों। एसजीपीसी में पारदर्शिता और जवाबदेही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। एसजीपीसी की कार्यप्रणाली बारे बात करते हुए कुलतार सिंह संधवा ने कहा कि हालांकि एसजीपीसी गुरुद्वारा साहिबों के प्रबंधकों के लिए एक बहुत ही ज़िम्मेदार और सम्मानित संस्था है, लेकिन पिछले कुछ दशकों से की कार्यप्रणाली पर बार-बार सवाल उठाए जाते रहे हैं। संधवा ने आगे कहा कि पंथक जागरूक आवाज़ें समय-समय पर चिंताएं प्रकट करती रही हैं। ज्ञानी रघबीर सिंह जी द्वारा हालिया खुलासों और भाई साहिब भाई रणजीत सिंह जी द्वारा पहले उठाए गए मुद्दों ने एक बार फिर गंभीर मामलों को सामने ला दिया है।

सीएए पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 5 मई से

नई दिल्ली. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अंतिम सुनवाई का कार्यक्रम 5 मई, 2026 से शुरू होने वाले सप्ताह के लिए निर्धारित किया है। सीएए अधिनियम को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की सुनवाई 5 मई को और 6 मई को आधे दिन के लिए होगी। प्रतिवादी केंद्र सरकार, जो इस कानून का समर्थन करती है, 6 मई के शेष आधे दिन के दौरान अपने तर्क प्रस्तुत करेगी और 7 मई को सुनवाई जारी रखेगी। याचिकाओं में इस आधार पर कानून को चुनौती दी गई है कि यह छह निर्दिष्ट धार्मिक अल्पसंख्यकों - हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई - पर लागू होता है, जबकि बांग्लादेश में रोहिंग्या और पाकिस्तान में अहमदी जैसे अन्य कथित रूप से उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को इससे बाहर रखा गया है। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि असम और त्रिपुरा से संबंधित विशिष्ट मुद्दों पर अलग से सुनवाई मुख्य मामलों में दलीलें समाप्त होने के तुरंत बाद की जाएगी। समग्र सुनवाई 12 मई तक समाप्त होने की उम्मीद है। न्यायालय ने कहा कि हमने लिखित प्रस्तुतियों पर किसी भी प्रकार की सामग्री और अन्य दस्तावेज़, यदि कोई हो, को चार सप्ताह के भीतर रिकॉर्ड पर रखने की स्वतंत्रता दी है।

पंजाब समेत 23 राज्यों में अप्रैल से शुरू होगा वोटर लिस्ट का मेगा रिवीजन

नई दिल्ली. भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने संकेत दिया है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित शेष 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को सूचित किया कि उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा कर लेना चाहिए। एसआईआर जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में किया जाना है, उनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, लद्दाख, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना, उत्तराखंड शामिल हैं।

सुप्रिया सुले बोलीं- अजित दादा की मौत से परिवार दुखी, प्लेन क्रैश पर शक गहराया

मुंबई. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को एक दुखद विमान दुर्घटना में अपने पिता अजीत पवार के अचानक निधन पर पार्थ पवार और जय पवार के शोक को व्यक्त किया। सुले ने पत्रकारों से कहा कि अजित दादा की मृत्यु से पार्थ और जय बहुत दुखी हैं। किसी को भी विश्वास नहीं हो रहा है कि विमान दुर्घटना कैसे हुई। जय ने भी कल इस बारे में अपने विचार व्यक्त किए। अजित पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी की सुबह पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक ज्ञापन सौंपकर बारामती विमान दुर्घटना में पूर्व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख अजित पवार की मृत्यु की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग की। दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार, एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद प्रफुल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे, चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ और युवा नेता पार्थ पवार ने ज्ञापन सौंपा।

जब बच्चे पदक लाएंगे तो नशा विरोधी मुहिम की जरूरत नहीं रहेगी : सीएम मान

किला रायपुर में 8 एकड़ में फैले तालाब का सौंदर्यीकरण और गांव में आधुनिक लाइब्रेरी बनाने की घोषणा

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को ऐतिहासिक किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक्स में शामिल होकर खेलों को नशों के खात्मे के लिए सबसे घातक हथियार घोषित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले पंजाब के बजट में खेलों के बजट में वृद्धि की जाएगी, जिससे पंजाब के युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में ले जाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान बंद की गई बैल गाड़ियों की दौड़ों को अब कानून में संशोधन के बाद फिर से शुरू किया गया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बच्चे मैदान में पसीना बहाएंगे और घरों को पदक लाएंगे तो किसी भी नशा विरोधी मुहिम की जरूरत नहीं रहेगी। किला रायपुर खेलों के पुनरुत्थान को पंजाब की ग्रामीण संस्कृति और विरासत की झलक बताते हुए, मुख्यमंत्री ने नई खेल नीति 2023 को राज्य की खेलों की शान को बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जिसके तहत हर गांव में स्टेडियम बनाए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि किला रायपुर में आठ एकड़ में

फैले तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा और गांव में एक आधुनिक लाइब्रेरी बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हम पिछली सरकारों द्वारा की गई लूट-खसोट की लीकेज को बंद कर रहे हैं, जिससे जनता का पैसा बचाया जा रहा है और इसे सीधे लोगों पर खर्च किया जा रहा है।

किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक्स के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "खेल नशों के खात्मे का सबसे घातक हथियार हैं और राज्य सरकार राज्य के आने वाले बजट में खेलों के बजट में वृद्धि करेगी।" उन्होंने कहा कि सरकार पहले से ही खेलों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने आगे कहा, "पिछली सरकारों द्वारा युवाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र को नजरअंदाज किया गया था, हमारी सरकार ने इस पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है।" उन्होंने कहा कि युवाओं की अथाह ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए खेलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

किला रायपुर खेलों को ग्रामीण संस्कृति और विरासत की झलक बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "यह खुशी की बात है कि पंजाब सरकार ने इस विरासत को फिर से जीवित किया है।" इसे एक ऐतिहासिक पल बताते हुए उन्होंने कहा कि ये खेल विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैं और लंबे समय से बैल गाड़ियों की दौड़ों को फिर से शुरू करने की मांग की जा रही थी। मान ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा लगातार तीसरे साल किला रायपुर के ग्रेवाल स्टेडियम में ग्रामीण ओलंपिक 2026 करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मेले का मुख्य आकर्षण बैल गाड़ियों की दौड़ें 12 साल के अंतराल के बाद फिर से जीवंत हुई हैं।

एआई बदल रहा है सेहत और समाज की तस्वीर

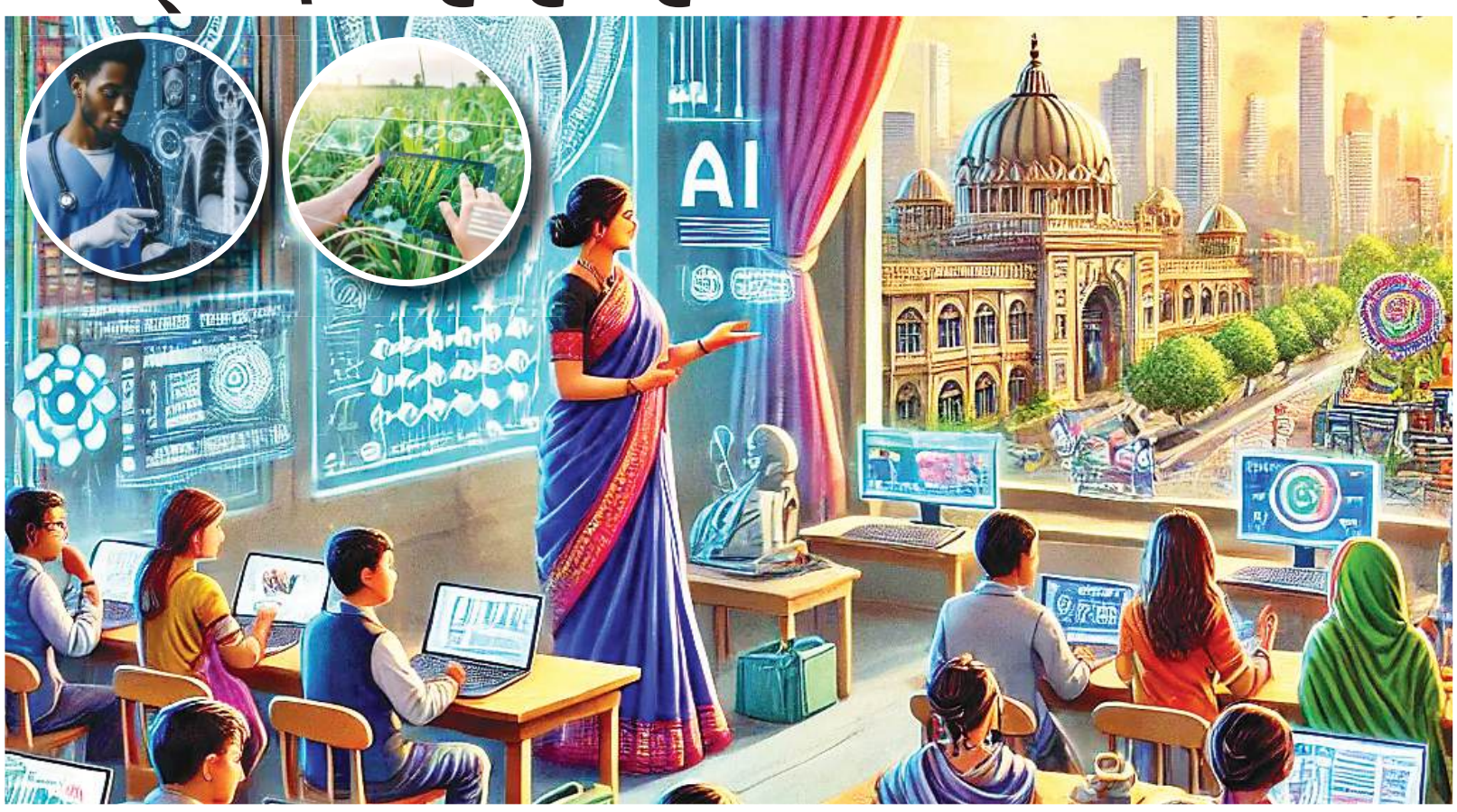

AI knowledge आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई अब भविष्य नहीं, वर्तमान की ताकत बन चुका है। अस्पतालों से लेकर स्कूलों और खेतों तक, यह तकनीक काम करने के तरीके बदल रही है। सवाल यह है कि क्या हम इस बदलाव के लिए तैयार हैं, या एआई हमसे आगे निकल जाएगा?

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) अब सिर्फ तकनीक की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सेहत, शिक्षा, खेती और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में तेजी से अपनी जगह बना रहा है। हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एआई आधारित सिस्टम बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण करके इंसानों से कहीं तेज और सटीक निर्णय लेने में सक्षम हो रहे हैं। अस्पतालों में एआई एक्स-रे और एमआरआई रिपोर्ट पढ़ने में डॉक्टरों की मदद कर रहा है, वहीं स्कूलों में यह छात्रों के सीखने के स्तर के अनुसार पर्सनलाइज्ड कंटेंट तैयार कर रहा है।

खेती के क्षेत्र में एआई मौसम, मिट्टी और फसल के डेटा का विश्लेषण कर उत्पादन बढ़ाने के सुझाव दे रहा है। साइबर सुरक्षा में भी एआई संदिग्ध गतिविधियों को पहचानकर ऑनलाइन फ्रॉड और हैकिंग से बचाव में सहायक बन रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले वर्षों में एआई कई पारंपरिक नौकरियों की प्रकृति बदल देगा, लेकिन साथ ही नई स्किल्स और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। इसके लिए जरूरी है कि युवा डिजिटल स्किल्स, डेटा एनालिसिस और टेक्नोलॉजी की समझ विकसित करें।

हालांकि, एआई के बढ़ते उपयोग के साथ डेटा प्राइवेसी और नैतिकता के सवाल भी उठ रहे हैं। संतुलित नीतियां और जागरूक उपयोग ही सुनिश्चित करेंगे कि एआई समाज के लिए लाभकारी साबित हो। इसके अलावा, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में एआई ट्रैफिक मैनेजमेंट, ऊर्जा बचत और सार्वजनिक सुरक्षा को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। उद्योगों में ऑटोमेशन के जरिए उत्पादन क्षमता बढ़ रही है और लागत घट रही है। स्टार्टअप्स एआई आधारित चैटबॉट, भाषा अनुवाद और ग्राहक सेवा समाधान विकसित कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों और छोटे व्यापारियों को बाजार की सही जानकारी मिल रही है। आने वाला समय एआई और मानव सहयोग का होगा, जहां तकनीक इंसानी क्षमताओं को मजबूत करने का माध्यम बनेगी, न कि उसका विकल्प।

SOCIAL BEHAVIOURS

आपकी लो क्लास मैंटेलिटी को दिखाते हैं ये बिहेवियर, लाइफ कोच ने बताया कभी नहीं मिलेगी इज्जत

लाइफ कोच ने बताया कि जब आप इस तरह के बिहेवियर को अपनाते हैं तो ये आपके लो क्लास मैंटेलिटी को दिखाता है। जरूरत है कि इसे फौरन बदल दें तभी मिलेगी इज्जत।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

कहते हैं कि जिसके पास पैसा है उसे ही इज्जत मिलती है। लेकिन ये बात कई बार पूरी तरह से गलत साबित हो जाती है, अगर आपके पास सही एटीट्यूड और सही बिहेवियर करने की समझ नहीं हैं। अगर आप रिच हैं लेकिन आपमें क्लास यानी राइट एटीट्यूड, जेंटल बिहेवियर नहीं तो आपको रिस्पेक्ट नहीं मिलेगी। ये बातें हम नहीं बल्कि लाइफ एंड एटिकेट कोच बता रहे हैं।

उन्होंने ऐसे ही बिहेवियर एटीट्यूड के बारे में बताया है जो आपके मेंटल स्टेट्स यानी क्लास को दिखाते हैं और यहीं बिहेवियर ही आपको हर छोटे-बड़े लोगों के बीच में सम्मान को तय करते हैं।

ऑटो ड्राइवर, सिक्योरिटी गार्ड जैसे अपने से छोटे लोगों से लड़ना

अगर आपके पास पैसा और पावर है और आप ड्राइवर, सिक्योरिटी गार्ड, वेटर जैसे अपने से छोटे काम करने वाले लोगों से लड़ते हैं, चिल्लाते हैं तो ये आपके पावर का प्रदर्शन नही है। क्योंकि अपने से छोटे लोगों से लड़ना, चिल्लाना आपके पैसा और पावर नहीं बल्कि आपकी कम सोच और मानसिकता को दिखाता है।

10-20 रुपये के लिए मोलभाव करना

अगर आप समर्थ हैं और फिर किसी दुकान पर या रेहड़ी वाले या किसी भी इंसान से दस या बीस रुपये के लिए एग्रेसिवली मोलभाव कर रहे। जबकि आप इतने से रुपये आसानी से दे सकते हैं। ये आपके लो क्लास लेवल को दिखाता है।

ब्रांड के लोगो को दिखाना

जब आप किसी ब्रांडेड सामान को लेते हैं या पहनते हैं और उसके बड़े-बड़े लोगो या जानबूझकर दिखाते हैं। तो ये आपके चीप क्लास मैंटेलिटी को दिखाता है।

लाइन में धक्के मारकर आगे जाना

काफी सारे पढ़े-लिखे और सभ्य लोग भी इस तरह की हरकत को करते मिल जाते हैं। जब वो किसी भी पब्लिक प्लेस पर सबको कट कर आगे बढ़ जाते हैं या लाइन में धक्के मारकर आगे चले जाते हैं। ऐसा करना भी आपके बेटर क्लास को नहीं दिखता।

हर चीज की शिकायत करना

अगर आप उन लोगों में हैं जो हर जगह शिकायत करते हैं। सर्विस पर कम्प्लेन करते हैं, हर किसी को निगेटिव फीडबैक देते हैं तो इस तरह का निगेटिव एटीट्यूड कभी भी क्लासी नहीं होता।

प्लेन लैंड होते ही खड़े हो जाना

प्लेन लैंड करते ही अगर आप फौरन खड़े होकर उतरने का इंतजार करने लगते हैं तो ये आपके लो क्लास लेवल को दिखाता है।

पब्लिक में फोन पर तेजी से बात करना

पब्लिक में फोन का वॉल्यूम तेज कर रील्स चलाना, गाने सुनना या फिर जोर-जोर से फोन पर बात करना ये आपके क्लास लेवल को डिफाइन करता है।

लोगों को घूरना

खासतौर पर अगर कोई महिलाओं को घूरता है तो ये उसके लोअर क्लास लेवल को दिखाता है।

कहीं भी गंदगी करना

अगर आप अपने क्लास को मेंटेन करना चाहते हैं तो कहीं भी गंदगी और कूड़ा फेंकने की आदत को बंद करें।

दूसरों पर अपनी बात थोपना

किसी भी मीटिंग या बातचीत के हिस्से में खुद को जरूरी साबित करने के लिए दूसरों पर अपनी बात को थोपना। ये आदत भी आपके लो क्लास मैंटेलिटी को दिखाती है। इस आदत से दूर रहें।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी स्थिति में एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

बिना घंटों दूध जलाए, मिनटों में तैयार हो जाती है लजीज मखाना रबड़ी

मखाना रबड़ी केवल एक मिठाई नहीं, बल्कि स्वाद और सेहत का वो अनूठा संगम है जो सादगी में भी राजसी ठाट का अहसास कराता है। यह रेसिपी हर उस शख्स के लिए परफेक्ट है जो कम मेहनत में कुछ 'लाजवाब' बनाकर...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

ज्यादातर लोग मखानों का सेवन या तो व्रत के दौरान करते हैं या फिर सेहत अच्छी बनाए रखने के लिए। लेकिन आज मखानों की जो रेसिपी हम आपके लिए लेकर आए हैं वो व्रत, सेहत के साथ आपके स्वाद को भी एक किक देने वाली है। जी हां, मखानों की मदद से तैयार होने वाली यह रबड़ी रेसिपी ना सिर्फ झटपट बनकर तैयार होती है बल्कि खाने में भी बेहद टेस्टी होती है। इस रबड़ी की खासियत यह है कि इसे बनाने के लिए आपको ट्रेडिशनल रबड़ी रेसिपी की तरह घंटों दूध को उबालकर गाढ़ा भी नहीं करना पड़ता। बता दें, मखाना रबड़ी केवल एक मिठाई नहीं, बल्कि स्वाद और सेहत का वो अनूठा संगम है जो सादगी में भी राजसी ठाट का अहसास कराता है।

यह रेसिपी हर उस शख्स के लिए परफेक्ट है जो कम मेहनत में कुछ 'लाजवाब' बनाकर परोसना चाहता है। तो चलिए बिना देर किए जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है टेस्टी और हेल्दी मखाना रबड़ी रेसिपी।

मखाना रबड़ी रेसिपी बनाने के लिए सामग्री

- 2 कप मखाने
- 1 लीटर फुल क्रीम दूध
- 1/4 कप चीनी
- 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- 8-10 धागे केसर (1 चम्मच दूध में भिगोए हुए)
- कटे हुए मेवे 2-3 चम्मच (बादाम, पिस्ता और काजू)
- 1 बड़ा चम्मच घी

मखाना रबड़ी बनाने का तरीका

मखाना रबड़ी बनाने के लिए सबसे पहले मखानों को भून लें। इसके लिए एक कड़ाही में घी गर्म करके मखानों को धीमी आंच पर 5 मिनट तक कुरकुरा होने तक भून लें। इसके बाद भुने हुए मखानों को हल्का ठंडा करने के लिए अलग रख दें। जब मखाने हल्के ठंडे हो जाएं तो इनमें से मुट्ठी भर मखाने अलग रख दें और बाकी को मिक्सी में दरदरा पीस लें। इस बात का खास ख्याल रखें कि मखानों को पीसते समय उन्हें दरदरा ही रखना है ना कि उनका पाउडर बनाना है।

दूध उबालें- अब मखाने की रबड़ी तैयार करने के लिए एक भारी तले वाली कड़ाही में दूध डालकर उसे तब तक उबालते हुए पकाएं जब तक वह पककर लगभग 60-70 प्रतिशत तक न रह जाए। इसे बीच-बीच में चलाते रहें ताकि मलाई किनारों पर जमती रहे। कड़ाही के किनारे लगने वाली मलाई को किनारों से खुरचकर वापस दूध में डालते जाएं।

मखाने मिलाएं- अब दूध में दरदरे पिसे हुए मखाने और साबुत बचाए हुए मखाने डालकर लगभग 5 से 7 मिनट तक धीमी आंच पर और पकने दें। जब मखाने दूध सोख लेंगे तो दूध गाढ़ा होने लगेगा। रबड़ी में मिठास और खुशबू जोड़ने के लिए इसमें चीनी, भिगोया हुआ केसर और इलायची पाउडर डालें। रबड़ी में चीनी घुलने तक 2 मिनट तक और पकाएं। आखिर में रबड़ी को गार्निश करने के लिए आखिर में कटे हुए मेवे डालकर गैस बंद कर दें। आपकी टेस्टी मखाना रबड़ी बनकर तैयार है। इसे ठंडा होने पर फ्रिज में रख दें। एक घंटे बाद आप रबड़ी को खाने के लिए सर्व कर सकते हैं।

रबड़ी का जायका बढ़ाएंगे ये खास टिप्स

- मखाना रबड़ी को आप गरमा-गरम भी खा सकते हैं, लेकिन फ्रिज में 1-2 घंटे ठंडा करने के बाद इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है।
- अगर आप फिटनेस को देखते हुए रबड़ी में चीनी नहीं डालना चाहते हैं, तो गैस बंद करने के बाद इसमें थोड़ा सा गुड़ का पाउडर या शहद मिला सकते हैं। यह रबड़ी को नेचुरल मिठास देगा।

बच्चों के दांत सही तरीके से कैसे ब्रश कराएं? डेंटिस्ट ने बताए जरूरी टिप्स

जालंधर ब्रीज (फीचर) . बचपन में डाली गई आदतें जिंदगी भर साथ रहती हैं। बच्चों को सही तरीके से दांत ब्रश करना सिखाना बेहद जरूरी है। डेंटिस्ट ने बताए आसान और असरदार तरीके :-

• **बच्चे पर जोर ना डालें :** डॉ. बुर्हेने के अनुसार, कभी भी बच्चे को पकड़कर या जबरदस्ती दांत ब्रश नहीं कराने चाहिए। इससे बच्चे के मन में डर बैठ जाता है, जो आगे चलकर आदत को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्रशिंग डर नहीं, सहजता से होनी चाहिए।

• **पहले बच्चे को मौका दें:** शुरुआत में बच्चे को खुद दांत ब्रश करने दें, भले ही वह ठीक से ना कर पाए। इसके बाद माता-पिता शांत तरीके से फाइनल क्लीनिंग कर सकते हैं। इससे बच्चे में आत्मविश्वास आता है।

• **कैविटी वहां नहीं होती, जहां आप सोचते हैं :** अक्सर माता-पिता सामने के दांतों पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन बच्चों में कैविटी ज्यादातर मसूड़ों के पास और पीछे की दाढ़ों की ग्रूव्स में शुरू होती है। इसलिए इन हिस्सों पर खास ध्यान देना जरूरी है।

• **टकराव से बचें:** अगर ब्रशिंग के दौरान लड़ाई हो जाए, तो उसे लंबा ना खींचें। डेंटिस्ट का कहना है कि दो छोटे और शांत ब्रशिंग सेशन, एक लंबे और तनाव भरे सेशन से कहीं बेहतर होते हैं।

• **साथ में ब्रश करें:** माता-पिता अगर बच्चे के साथ ब्रश करते हैं, तो बच्चा इसे सजा नहीं बल्कि साझा गतिविधि समझता है। यह आदत बच्चे में अपने आप विकसित होने लगती है।

• **बच्चे की सांस पर ध्यान दें:** अगर बच्चा ब्रशिंग से चिढ़ता है, तो देखें कि वह मुंह से सांस तो नहीं ले रहा। मुंह से सांस लेने पर मुंह सूखता है, जिससे ब्रश करना असहज लग सकता है।

• **ब्रश के बाद कुल्ला नहीं, सिर्फ थूकना सिखाएं :** डॉ. बुर्हेने सलाह देते हैं कि ब्रश के बाद बच्चों को कुल्ला करने की बजाय सिर्फ थूकना सिखाएं। इससे टूथपेस्ट की थोड़ी मात्रा दांतों पर रह जाती है, जो इनेमल को ज्यादा समय तक सुरक्षित रखती है।

डिस्क्लेमर : *बच्चों के दांतों की देखभाल सिर्फ सफाई नहीं, बल्कि एक हेल्दी आदत सिखाने की प्रक्रिया है। सही तरीका, धैर्य और प्यार के साथ ब्रशिंग सिखाई जाए तो बच्चे खुद इसे अपनाने लगते हैं। इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए एक्सपर्ट से उचित सलाह ले सकते हैं।*

2000 साल पुरानी हेल्थ ड्रिंक, शरीर को देगा ताकत और स्टेमिना : न्यूट्रिशनिस्ट ने किया शेयर

Health शरीर में ताकत और स्टेमिना की कमी महसूस करते हैं और ताकत के लिए प्रोटीन पाउडर पी रहे। तो जरा न्यूट्रिशनिस्ट की बात सुन लें। जिन्होंने बताया घर में बनने वाला सबसे आसान 2 हजार साल पुराना...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

फिट रहने के लिए बैलेंस डाइट का होना जरूरी है। ऐसे फूड जिनसे आपको शरीर के लिए जरूरी न्यूट्रिशन मिले और आपके शरीर में ना केवल एनर्जी बनी रहे बल्कि आपको ताकत भी महसूस हो। वहीं जब आप फिटनेस के लिए वर्कआउट करें तो बॉडी में पर्याप्त स्टेमिना भी हो। बॉडी में स्टेमिना का होना जरूरी है क्योंकि ये स्टेमिना ही है जो रोज के काम करने के लिए मेंटल और फिजिकल ताकत देता है।

अक्सर लोग ताकत और एनर्जी के लिए प्रोटीन ड्रिंक पीते हैं। लेकिन केवल बाजार में मिलने वाले प्रोटीन ड्रिंक से ही ताकत और एनर्जी नहीं मिलती बल्कि घर में मौजूद हेल्दी चीजों से भी आपको एनर्जी मिल सकती है। न्यूट्रिशनिस्ट ने 2 हजार साल पुरानी हेल्थ ड्रिंक को शेयर किया है। जिसे पीने से आपकी बॉडी आपको थैंक्स बोलेगी।

न्यूट्रिशनिस्ट ने शेयर किया सदियों पुराना हेल्थ ड्रिंक

न्यूट्रिशनिस्ट ने 2 हजार साल पुरानी ड्रिंक शेयर की है। जिसे सदियों पहले ताकत और एनर्जी के लिए राजा-महाराजा भी पीते थे। ये ओजी ड्रिंक पीने के कई सारे फायदे हैं। न्यूट्रिशनिस्ट बताती हैं कि इसे पीने के बाद बॉडी आपकी थैंक्स बोलेगी।

घर में रखी इन 3 चीज से बनाएं हेल्थ ड्रिंक लेकिन मात्रा का रखें ध्यान

इस हेल्थ ड्रिंक को बनाने के लिए बस 3 चीजों की जरूरत होगी। दूध, घी और शहद। लेकिन ध्यान देने वाली बात है कि दूध के साथ घी और शहद का अनुपात बिल्कुल सही होना चाहिए। 100 मिली दूध में एक चम्मच घी और आधा चम्मच शहद को डालें। साथ ही ध्यान रखें कि शहद जब दूध हल्का गुनगुना रह जाए तभी डालें। कभी भी शहद और घी को बराबर मात्रा में इस्तेमाल नहीं करना है। हमेशा दोनों चीज का रेशियो कम ज्यादा ही होना चाहिए। बस इन तीन चीज से हेल्थ ड्रिंक बनकर तैयार हो जाएगी। जिसे रोजाना पीना सेहत के लिए अच्छा होता है।

दूध वाली हेल्थ ड्रिंक पीने के फायदे

न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह बताती है कि इस हजारों साल पुरानी ओजी ड्रिंक को पीने के कई सारे फायदे हैं।

ये ड्रिंक शरीर में ताकत बढ़ाती है

एनर्जी और स्टेमिना को बूस्ट करने में मदद करती है

मसल्स को रिजुवनेट करता है

स्किन में ग्लो बढ़ाने में मदद करता है

साथ ही इस ड्रिंक को पीने से नींद की क्वालिटी में भी सुधार होता है, जिससे गहरी नींद आने में मदद मिलती है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

जम्मू मंडल की होली सौगात: श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से नई दिल्ली और बनारस के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें "

• **जालंधर ब्रीज** . जम्मू

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल द्वारा यात्रियों को विशेष सौगात प्रदान करते हुए, होली के त्योहार पर श्री माता वैष्णो देवी कटरा से नई दिल्ली विशेष आरक्षित ट्रेन संख्या 04081/04082 और श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से बनारस विशेष आरक्षित ट्रेन संख्या 04603/04604 का संचालन किया जा रहा हैं, इन विशेष आरक्षित ट्रेनों के संचालन का मुख्य उद्देश्य त्योहारों पर यात्रियों की यात्रा को सुगम व आसान बनाना है।

जम्मू मंडल से चलने वाली विशेष आरक्षित ट्रेनों की समय सारिणी पर नजर डालें तो, सबसे पहले विशेष ट्रेन संख्या 04081/04082 (नई दिल्ली - कटरा - नई दिल्ली) ट्रेन संख्या 04081 नई दिल्ली से कटरा दिनांक 21 फरवरी से 08 मार्च तक 16 फेरो के साथ संचालित की जाएगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से रात में 11.45 बजे रवाना होकर, अगले दिन 12 बजे श्री माता वैष्णोदेवी कटरा पहुंचेगी। मार्ग में ट्रेन पानीपत, कुरूक्षेत्र, अम्बाला कैंट, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू, शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर) रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 04082 श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से नई दिल्ली दिनांक 22 फरवरी से 09 मार्च तक 16 फेरो के साथ संचालित की जाएगी। जो श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से रात में 09.20 पर रवाना होकर, अगले दिन सुबह 10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। मार्ग में ठहराव ट्रेन संख्या 04081 के समान ही रहेंगे।

दूसरी विशेष आरक्षित ट्रेन संख्या 04603/04604 (वाराणसी-कटरा-वाराणसी) ट्रेन संख्या 04603 वाराणसी से कटरा दिनांक 24 फरवरी से 08 मार्च तक 4 फेरो के साथ संचालित की जाएगी। यह ट्रेन वाराणसी से सुबह में 05.00 बजे रवाना

होकर, दुसरे दिन सुबह 06.00 बजे श्री माता वैष्णोदेवी कटरा पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, रायबरेली, लखनऊ, आलमनगर, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, अम्बाला कैंट, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू, शहीद कैप्टन तुषार महाजन रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 04604 श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से वाराणसी दिनांक 22 फरवरी से 06 मार्च तक 4 फेरो के साथ संचालित की जाएगी। यह ट्रेन श्री माता वैष्णोदेवी कटरा से शाम को 18.15 बजे रवाना होकर, दूसरे दिन शाम को 07 बजे वाराणसी पहुंचेगी। मार्ग में ठहराव ट्रेन संख्या 04603 के समान ही रहेंगे।

पर्यटन को बढ़ावा देते हुए, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (IRCTC) द्वारा पश्चिम रेलवे के प्रतापनगर रेलवे स्टेशन से श्री माता वैष्णोदेवी कटरा तक एक टुरिस्ट ट्रेन संख्या 00913 चलाई गई हैं, यह "पूर्ण किराया दर" टूरिस्ट ट्रेन है, जो अपने प्रारंभिक रेलवे स्टेशन से दिनांक 11 फरवरी को रवाना हुई हैं, मार्ग में यह ट्रेन अमृतसर होते हुए, दिनांक 14 फरवरी को श्री माता वैष्णोदेवी कटरा पहुंचेगी। वापसी में यह टूरिस्ट ट्रेन दिनांक 16 फरवरी को कटरा से रवाना होकर, दिनांक 18 फरवरी को गुजरात के प्रतापनगर पहुंचेगी। इस ट्रेन के संचालन का मुख्य उद्देश्य एक ही समय में मार्ग में आने वाले सभी पर्यटन व धार्मिक स्थलों का यात्री आनन्द ले सकें। यात्रियों के हित व त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, चलाई जा रही विशेष ट्रेनों पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल ने बताया, " कि साल 2026 में होली के त्योहार को देखते हुए, विशेष ट्रेनों को चलाया जा रहा हैं। जिसमें एक नई दिल्ली और दूसरी वाराणसी के लिए चलाई जाएगी, जिससे कि यात्रियों के लिए आरामदायक और सुरक्षित सफर सुनिश्चित किया जा सके।

त्योहारों के समय नियमित ट्रेनों भारी भीड़ होती हैं। विशेष ट्रेनें चलने से यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना काफी बढ जाती हैं। इन ट्रेनों से जम्मू कश्मीर ही नहीं, बल्कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों के यात्रियों को भी सीधा लाभ मिलने के साथ ही एक किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करेंगी। यात्री आधिकारिक IRCTC वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकट बुक कर सकते है। समय सारिणी और मार्ग की विस्तृत जानकारी के लिए 139 डायल करें या National Train Enquiry System (NTES) का उपयोग करें।"

श्रम संहिताएं : एक नई दृष्टि

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

चार श्रम संहिताओं की 21 नवंबर, 2025 को आधिकारिक घोषणा के साथ ही एक नए युग की शुरुआत हो गई है। यह घोषणा भारत की श्रम कानून व्यवस्था में एक बड़े ढांचागत सुधार का संकेत है। अनुमानों के अनुरूप ही इसकी सराहना और आलोचना, दोनों ही की गई है। बहुप्रतीक्षित श्रम कानून सुधारों ने कामगारों से संबंधित 29 से ज्यादा कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेट दिया है।

प्रो बीजू वर्के
(प्रो. बीजू वर्के आईआईएम अहमदाबाद में प्रोफेसर)

डॉ शैलजा त्रिपाठी
(आईआईएम अहमदाबाद में डॉ शैलजा त्रिपाठी वेजइंडिकेटर हैं)

भारतीय श्रम कानूनों में सुधारों की मांग लंबे अरसे से चली आ रही थी। इस संबंध में समय-समय पर सीमित घोषणाएं की गईं और उन्हें टुकड़ों में लागू किया गया। सभी हितधारक इस बात पर सहमत थे कि देश को आगे ले जाने के लिए एक उत्पादक, समावेशी और सशक्त कार्यबल तथा कामकाज का उपयुक्त परिवेश जरूरी है। बदलाव की इच्छा सब में होने के बावजूद हर हितधारक की अपनी अलग-अलग उम्मीदें और चिंताएँ थीं।

इन सुधारों का उद्देश्य श्रमिक कल्याण को मजबूती देना और अनुपालन को सरल बनाना है। श्रम नियमन के ढांचे को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना तथा व्यवसाय सुगमता में वृद्धि के उपायों को मजबूत करना भी इनका उद्देश्य रहा है। इन सुधारों के तहत 29 महत्वपूर्ण कानूनों को वेतन, सामाजिक संरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंध से जुड़ी चार संहिताओं में समेट दिया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रमिकों के कामकाज को औपचारिक रूप देना, कानून के दायरे से अब तक बाहर रहे अनौपचारिक, अस्थाई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए काम करने वाले कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना, महिला अधिकारों का संवर्द्धन तथा सभी क्षेत्रों में नियोक्ता-श्रमिक संबंधों को आधुनिक बनाना है।

नई श्रम संहिताओं की नीचे वर्णित कुछ विशिष्टताएं उन्हें देश की मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाती हैं-

सुदृढ़ीकरण और सामंजस्य: भारत के श्रम कानून ऐतिहासिक तौर पर विभाजित तथा परिभाषाओं की बहुलता और सख्त अनुपालन व्यवस्थाओं से ग्रसित थे। नियोक्ताओं को एकदूसरे से मिलती-जुलती अनेक नियामक जरूरतों का सामना करना पड़ता था। श्रमिक और खास तौर से असंगठित कामगार आम तौर पर वैधानिक संरक्षण के दायरे से बाहर थे। श्रम संहिताओं ने अनुपालन की पिछली जटिल प्रणाली को समरूप परिभाषाओं, डिजिटल प्रक्रियाओं और विस्तारित दायरे से सरल बनाया है।

सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों का अनुपालन: सुधारों में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों को शामिल किया गया है। इन कार्य सिद्धांतों में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगारों का सृजन, श्रमिक अधिकारों और समानता का संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा और संवाद शामिल है।

अनुपालन का सरलीकरण: पुरानी प्रणाली में अत्यधिक कागजी कार्रवाई, निरीक्षणों पर अतिनिर्भरता और कमजोर अनुपालन जैसी खामियां थीं। नई संहिताओं में अनुपालन प्रणालियों को सुचारू बनाने के साथ ही उल्लंघनों को रोकने के लिए कठोर दंड की व्यवस्था की गई है।

संवहनीय विकास लक्ष्यों के साथ तालमेल: ये संहिताएं श्रमिक अधिकारों को मजबूत कर, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करते हुए तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देकर संवहनीय विकास लक्ष्य (एसडीजी) 8 को आगे बढ़ाती हैं। इसके अलावा ये एसडीजी 1,3,5 और 10 को हासिल करने में भी सहायक हैं।

कार्य संबंधी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप: इन संहिताओं में तेज आर्थिक और प्रौद्योगिकीय बदलावों को ध्यान में रखा गया है। इनमें विस्तारित परिभाषाओं, पुनर्प्रशिक्षण के प्रावधानों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज और वैकल्पिक कार्य व्यवस्थाओं के औपचारीकरण के जरिए भविष्य की कार्य संबंधी चिंताओं का निराकरण किया गया है।

संहिताओं की मुख्य विशेषताएं और उनका प्रभाव:

वेतन संहिता, 2019: यह संहिता पिछले चार कानूनों को एकीकृत करती है और "मजदूरी" की एक समान परिभाषा तथा 'राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी' की अवधारणा पेश करती है। यह व्यापक और अधिक सुसंगत वेतन सुरक्षा सुनिश्चित करती है, समय पर भुगतान को अनिवार्य बनाती है, और समान पारिश्रमिक के नियम को सुदृढ़ करती है, जिससे आय सुरक्षा मजबूत होती है और विवादों में कमी आती है। औद्योगिक संबंध संहिता, 2020: यह संहिता मजदूर संगठनों, औद्योगिक विवादों और स्थायी आदेशों को नियंत्रित करने वाले कानूनों को एक साथ लाती है। यह विवाद समाधान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, निश्चित समय-सीमा निर्धारित करती है और हड़ताल, कामबंदी तथा छंटनी से जुड़े नियमों को तर्कसंगत बनाती है। जहाँ यह नियोक्ताओं को परिचालन के लिए लचीलापन प्रदान करती है, वहीं सामूहिक सौदेबाजी और कानूनी समाधान के लिए सुरक्षा उपायों को भी बरकरार रखती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020: यह संहिता संगठित क्षेत्र से आगे जाकर सुरक्षा के दायरे का विस्तार करके एक बड़े बदलाव का संकेत देती है। इसके अंतर्गत गिग कामगारों, प्लेटफॉर्म के जरिये काम करने वाले श्रमिकों को भविष्य निधि, बीमा, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था सुरक्षा से संबंधित वैधानिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने का प्रावधान किया गया है।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति (ओएसएच) संहिता, 2020: यह ओएसएच संहिता सुरक्षा से संबंधित कई कानूनों को एक एकीकृत ढांचे में समाहित करती है। यह कार्यस्थल सुरक्षा मानदंडों का मानकीकरण करती है, नियामक निरीक्षण को मजबूत करती है और सभी क्षेत्रों में इसे लागू करने में सुधार करती है।

आगे की राह क्या है?

वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा नए श्रम कानूनों के बारे में नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि इन संहिताओं ने बेहतर भविष्य के प्रति सकारात्मक उम्मीद जगाई है। जहाँ 64% श्रमिकों का मानना है कि संहिताओं के लागू होने से आय सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं नियोक्ताओं ने भी निश्चित अवधि के रोजगार अनुबंधों (64%) और कार्यस्थल सुरक्षा (73%) को लेकर इसी तरह के भाव व्यक्त किए हैं। दोनों ही हितधारक इन संहिताओं को एक ऐसे साधन के रूप में देखते हैं जो दोनों पक्षों के अनुभवों को बेहतर बनाएगा। चारों श्रम संहिताएं भारत के श्रम शासन में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। पुराने पड़ चुके कानूनों को एकीकरण, सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार और नियोक्ताओं के लचीलेपन तथा श्रमिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाकर, इन सुधारों का उद्देश्य एक अधिक कुशल, समावेशी और विकासोन्मुखी श्रम बाजार बनाना है। चूंकि ये संहिताएं कार्यान्वयन के शुरुआती चरण में हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि सभी हितधारक इन्हें खुले मन से अपनाएं और 'विफलता से सीखकर तेजी से सुधार' करने वाला दृष्टिकोण रखें। इनकी अंतिम सफलता इनके प्रभावी कार्यान्वयन, हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने और संवैधानिक मूल्यों तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों की तरह निरंतर अमल में लाने पर निर्भर करेगी।

परिवहन और लॉजिस्टिक्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत की भविष्य की गतिशीलता की मजबूत नींव

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

परिवहन और लॉजिस्टिक्स (आवागमन और माल ढुलाई) देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख इंजन हैं। हम जो भी सामान इस्तेमाल करते हैं, जो भी यात्रा करते हैं और जिन शहरों में रहते हैं, सब कुछ लोगों, सामान और सेवाओं की सुचारु आवाजाही पर निर्भर करता है।

लेकिन पूरी दुनिया में, और खास तौर पर भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देशों में, परिवहन व्यवस्था के सामने कई बड़ी चुनौतियाँ हैं, जैसे शहरों में जाम, सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी, ईंधन की बढ़ती कीमतें, प्रदूषण और जटिल होती सप्लाई चेन।

पुरानी योजना और काम करने की पारंपरिक पद्धतियाँ अब इतनी बड़ी और जटिल व्यवस्था को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

इसी स्थिति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस एक बड़ा बदलाव लाने वाली तकनीक बनकर सामने आए हैं, जो यह बदल रहे हैं कि परिवहन और लॉजिस्टिक्स सिस्टम कैसे बनाए जाएँ, कैसे चलाए जाएँ और कैसे बेहतर बनाए जाएँ।

प्रो. मनोज चौधरी
(गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति)

डॉ. विपुल मिश्र
(गति शक्ति विश्वविद्यालय के डॉ. विपुल मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

एआई और डेटा साइंस से परिवहन में बड़ा बदलाव : आज की परिवहन व्यवस्था से बहुत बड़ी मात्रा में डेटा बनता है- जैसे ट्रैफिक सेंसर, जीपीएस वाले वाहन, इलेक्ट्रॉनिक टोल सिस्टम, टिकटिंग प्लेटफॉर्म, निगरानी कैमरे, मौसम की जानकारी और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस इस कच्चे और तेज़ी से आने वाले भारी डेटा को उपयोगी जानकारी में बदल देते हैं। इससे परिवहन सिस्टम पहले से अंदाज़ा लगाने वाला, हालात के अनुसार बदलने वाला और ज्यादा मजबूत बन जाता है। यह बदलाव खास तौर पर भारत में साफ दिखाई देता है, जहाँ बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म और नई बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ यह तय कर रही हैं कि लोगों की आवाजाही और सामान की ढुलाई की योजना कैसे बनाई जाए और कैसे चलाई जाए।

शहरों और हाईवे पर यातायात में अब मशीन लर्निंग पर आधारित इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम ट्रैफिक और टोल संचालन का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं। इसका एक प्रमुख उदाहरण है फास्टैग, जिससे राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल पूरी तरह डिजिटल हो गया है। इससे वाहनों की आवाजाही, ट्रैफिक की भीड़ और रास्तों के इस्तेमाल से जुड़ा रियल-टाइम डेटा मिलता है। यह डेटा जाम का विश्लेषण करने, ट्रैफिक को बेहतर तरीके से संभालने और सही आधार पर नई सड़क व ढांचा योजना बनाने में मदद करता है। इसी तरह कई भारतीय शहरों में एआई आधारित ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम लगाए गए हैं, जो कैमरों और सेंसर से मिलने वाले लाइव डेटा के आधार पर सिग्नल का समय ठीक करते हैं, बेवजह रुकने का समय घटाते हैं और चौराहों की सुरक्षा बढ़ाते हैं। लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफ़ॉर्म (यूएलआईपी) जैसे डेटा प्लेटफॉर्म एआई आधारित फैसलों की दिशा में बड़ा कदम हैं। यह प्लेटफॉर्म रेलवे, बंदरगाह, सड़क परिवहन और कस्टम्स का डेटा एक साथ जोड़कर भारत के लॉजिस्टिक्स सिस्टम की एक साझा डिजिटल रीढ़ तैयार करता है। इस पर एआई और उन्नत विश्लेषण से मांग का अनुमान, बेहतर रूट चुनना और सप्लाई चेन में अटकाव वाले स्थानों की पहचान करना आसान होता है। ये सुविधाएँ खास तौर पर तब बहुत जरूरी हो जाती हैं, जब देश में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, गति शक्ति कार्गो टर्मिनल और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, ताकि लॉजिस्टिक्स लागत घटे और सप्लाई चेन ज्यादा भरोसेमंद बन सके।

नई बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ एआई और डेटा साइंस की भूमिका को और मजबूत बनाती हैं। उदाहरण के तौर पर चिनाब ब्रिज जैसी बड़ी परियोजनाओं में सुरक्षा और लंबे समय तक भरोसेमंद संचालन के लिए सेंसर से मिलने वाला डेटा, ढांचे की सेहत की निगरानी और पहले से अंदाज़ा लगाने वाली तकनीक का खूब इस्तेमाल किया जाता है।

SHe-Box पोर्टल : कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा का डिजिटल कवच

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत जब 2047 में अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने महिला-नेतृत्वित विकास को राष्ट्रीय प्रगति का केंद्र बिंदु बनाया है। महिलाओं की समावेशी आर्थिक वृद्धि में निर्णायक भूमिका को स्वीकार करते हुए सरकार ने ऐसा सुरक्षित, सम्मानजनक और संवेदनशील कार्य वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे महिलाएं आत्मविश्वास के साथ कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इसी दिशा में कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में कार्य करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते एक दशक में महिला सशक्तिकरण को केवल एक नारा नहीं, बल्कि नीति, संरचना और प्रभावी क्रियान्वयन का विषय बनाया है। "नारी शक्ति" को राष्ट्र की उन्नति का आधार मानते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक संस्थागत सुधार किए गए हैं। इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण और व्यावहारिक उदाहरण है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया SHe-Box पोर्टल, जो कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त डिजिटल मंच के रूप में उभरा है।

सावित्री ठाकुर
(महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार)

आज भारत में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3% से बढ़कर 2023-24 में 41.7% हो गई। सरकारी और निजी क्षेत्रों के साथ-साथ स्टार्टअप्स, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और असंगठित क्षेत्रों में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि कार्यस्थल सुरक्षित, सम्मानजनक और भय-मुक्त हों। कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (POSH Act) इसी उद्देश्य से बनाया गया था। मोदी सरकार ने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल गवर्नेंस के तहत SHe-Box पोर्टल को 29 अगस्त 2024 को तकनीकी सुधारों के साथ पुनः लॉन्च किया, जिससे यह अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल और पारदर्शी बन सके। यह पोर्टल देशभर में गठित आंतरिक समितियों (Internal Committees - IC) और स्थानीय समितियों (Local Committees - LC) से संबंधित सूचनाओं का एक केंद्रीकृत भंडार (Central Repository) प्रदान करता है।

SHe-Box पोर्टल का उन्नत संस्करण महिलाओं को सीधे संबंधित IC या LC के पास शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है। इससे शिकायत प्रक्रिया में होने वाली देरी और अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप में कमी आती है। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक भी कर सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मंच सरकारी या निजी, संगठित या असंगठित - हर क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के लिए समान रूप से सुलभ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मोदी सरकार की महिला सुरक्षा की नीति किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि समावेशी है।

प्रधानमंत्री मोदी के "डिजिटल इंडिया" विज़न के अनुरूप, SHe-Box महिलाओं को सुरक्षित, सरल और गोपनीय तरीके से शिकायत दर्ज करने और उसकी प्रगति ट्रैक करने की सुविधा देता है। पोर्टल पर दर्ज की गई शिकायत सीधे संबंधित कार्यस्थल की आंतरिक समिति या जिले की स्थानीय समिति तक पहुँचती है। गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि आंतरिक समिति की अध्यक्ष के अलावा कोई अन्य व्यक्ति शिकायत का विवरण नहीं देख सकता, जिससे पीड़िता की पहचान सुरक्षित रहती है। POSH Act के तहत सरकार का दायित्व है कि वह शिकायतों से संबंधित आंकड़ों का संधारण और निगरानी करे। इस अधिनियम के अंतर्गत किसी भी शिकायत की जाँच के लिए 90 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है, जिसका पालन सुनिश्चित करने में SHe-Box पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय द्वारा डैशबोर्ड अलर्ट, ईमेल और मेसेज के माध्यम से नियमित रिमाइंडर भेजे जा रहे हैं।

15 फरवरी 2026 को आर्मी स्टेशन अबोहर में भव्य पूर्व सैनिक रैली आयोजित

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

भारतीय सेना की अमोघ डिवीजन ने सप्त शक्ति कमान के मुख्यालय के अधीन 15 फरवरी 2026 को अबोहर मिलिट्री स्टेशन में पूर्व सैनिक रैली एवं चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया। यह रैली पंजाब के तीन जिलों फाजिल्का, श्री मुक्तसर साहिब एवं फरीदकोट तथा राजस्थान के दो जिलों श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ के पूर्व सैनिकों के लिए आयोजित की गई। इस अवसर पर क्षेत्र के 3000 से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, वीर माताओं एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह; आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमान, श्रीमती बरिंदर जीत कौर; क्षेत्रीय अध्यक्ष, सप्त शक्ति AWWA , लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क; जीओसी, चेतक कोर तथा नागरिक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों एवं विभिन्न कल्याणकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर नागरिक प्रशासन द्वारा निरंतर सहयोग, समयबद्ध लाभ वितरण एवं पूर्व सैनिक कल्याण तंत्र के साथ सुव्यवस्थित समन्वय सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ एपीएस, अबोहर के विद्यार्थियों एवं सैन्य पाइप बैंड द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ, जिसमें सैनिक जीवन की भावना तथा राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया गया।

'हर काम देश के नाम'

विभिन्न रिकॉर्ड कार्यालय, बैंक, पुलिस, एमएसएमई और सरकारी कल्याण एजेंसियाँ, जिनमें एडब्ल्यूपीओ, ईसीएचएस एवं ज़िला सैनिक बोर्ड द्वारा पूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण, दस्तावेज़ अद्यतन, पेंशन से संबंधित प्रश्नों और रोजगार अवसरों में सहायता के लिए हेल्प डेस्क और स्टॉल स्थापित किए। एक मेडिकल कैंप में उपस्थित लोगों के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया। आर्मी कमांडर ने अपने संबोधन में पूर्व सैनिकों को आश्वस्त किया कि सप्त शक्ति कमान नियमित संवाद, सहभागिता, सशक्तिकरण, सम्मान एवं समग्र देखभाल के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

रैली का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें वीर नारियों, वीर माताओं एवं युद्ध में घायल पूर्व सैनिकों को उनके विशिष्ट योगदान एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, दिव्यांग पूर्व सैनिकों को विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिनमें तीन पहियों वाली तीन ई-स्कूटीयां, चौबीस व्हीलचेयर, छब्बीस श्रवण यंत्र, पचास चलने की छड़ियाँ, दस बीपी मशीनें तथा दस ऑक्सीमीटर शामिल हैं। साथ ही, उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों ने रैली के सफल आयोजन के लिए भारतीय सेना एवं राज्य सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन उन्हें पुनः जुड़ने, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा विभिन्न एजेंसियों से प्रत्यक्ष सहायता लेने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र के लिए पंजाब सरकार ने 10.50 एकड़ भूमि का कब्जा लिया : हरपाल सिंह चीमा

बोले- करतारपुर रोड पर बनेगा अत्याधुनिक श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र; बिजली की लाइनों को शिफ्ट करने के लिए 55 लाख रुपये स्वीकृत

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने करतारपुर रोड पर स्थित गांव नौगज्जा और फरीदपुर में 10.50 एकड़ भूमि का कब्जा लेकर 'श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र' की स्थापना की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि यह कदम गुरु रविदास जी की विरासत के सम्मान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कब्जा लेने की पूरी प्रक्रिया वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, विधायक बलकार सिंह, पंजाब कृषि विकास बैंक के चेयरमैन पवन टीनू, डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल और डेरा सच्चखंड बल्लां के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पूरी की गई। इस मौके पर बोलते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, "यह बहुत खुशी की बात है कि पंजाब सरकार ने अत्याधुनिक श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र के निर्माण के लिए 10.50 एकड़ भूमि का कब्जा हासिल कर लिया है। इस भूमि का उपयोग अब गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को समर्पित एक विश्व स्तरीय संस्था बनाने के लिए किया जाएगा।" उन्होंने आगे घोषणा की, "पंजाब सरकार इस जगह से हाई-टेंशन बिजली की तारों को शिफ्ट करने के लिए 55 लाख रुपये का खर्च वहन करेगी ताकि निर्माण कार्य बिना किसी देरी के सुचारू रूप से चल सके।" वित्त मंत्री ने बताया, "भूमि की रजिस्ट्री पहले ही हो चुकी है और अब कब्जा मिलने से यह प्रोजेक्ट लागू होने के महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर गया है। इस केंद्र का डिजाइन और लेआउट प्लान डेरा सच्चखंड बल्लां के प्रतिनिधियों की सलाह से विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया जा रहा है। जल्द ही टेंडर निकाले जाएंगे ताकि निर्माण कार्य तुरंत शुरू हो सके।" भगवंत मान सरकार के संकल्प को दोहराते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, "श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र दुनिया भर में गुरु रविदास जी की शिक्षाओं के प्रसार और उनके संदेश को फैलाने वाले विद्वानों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पंजाब सरकार गुरु जी की आध्यात्मिक और सामाजिक विरासत को संरक्षित करने और प्रचार करने के लिए दृढ़ है।" उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व संबंधी साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। उन्होंने कहा, "श्री गुरु रविदास जी की विरासत का सम्मान देने और गुरु जी द्वारा दर्शाई गई सांप्रदायिक सद्भावना को प्रोत्साहित करने के लिए पूरे राज्य में बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।"

डेरा सच्चखंड बल्लां के प्रतिनिधियों ने इस प्रोजेक्ट को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और संगतों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ईमानदारी और तेजी से पूरा करने के लिए पंजाब सरकार का धन्यवाद किया। बाद में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने विधायक बलकार सिंह, चेयरमैन पवन टीनू, सीनियर 'आप' नेता नितिन कोहली और राजविंदर कौर थियाड़ा समेत डेरा सच्चखंड बल्लां में नतमस्तक होकर डेरा प्रमुख संत निरंजन दास जी का आशीर्वाद लिया।

जिला पुलिस प्रमुखों को तीन स्तरीय ट्रेडर्स कमीशन एवं कमेटियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश

हरपाल सिंह चीमा बोले- पंजाब में व्यापारी बिना किसी डर के अपना व्यापार कर सकते हैं

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने गुरुवार को यहां पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन (पी.एस.टी.सी.), जिला और हलका स्तर की व्यापारिक कमेटियों तथा पुलिस प्रशासन के बीच संरचनात्मक और पूर्ण तालमेल के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि व्यापारियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और यह राज्य के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने को आसान बनाना) का मुख्य हिस्सा है।

पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन के चेयरमैन के रूप में डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डी.जी.पी.) गौरव यादव और आबकारी एवं कर आयुक्त जतिंदर जोरवाल के साथ पंजाब भवन से उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने व्यापारी वर्ग की सुरक्षा संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की सख्त हिदायतें जारी कीं। उन्होंने पुलिस प्रशासन और व्यापारी कमीशन तथा कमेटियों के सदस्यों को आपसी तालमेल मजबूत करने के निर्देश दिए, और जिला पुलिस प्रशासन को हिदायत की कि वे इस तहत की जाने वाली कार्रवाइयों की रिपोर्ट सीधे डी.जी.पी. कार्यालय के साथ लगातार साझा करें। आबकारी एवं कर मंत्री ने कहा, 'सरकार का मकसद ट्रेडर्स कमीशन को अधिकृत करना और इसे राज्य भर के कारोबारियों तक पुलिस की पहुंच को महत्वपूर्ण ढंग से बेहतर बनाने के लिए एक मुख्य ताकत के रूप में इस्तेमाल करने का है।'

इस संबंध में जमीनी स्तर पर निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने समूह जिला पुलिस बलों को व्यापारी कमीशन और कमेटी सदस्यों के साथ निरंतर बातचीत जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आदेश दिया कि हलका और जिला स्तर पर व्यापारी कमीशन और कमेटी की सभी बैठकों में सक्षम पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि पेश चुनौतियों को मौके पर ही हल किया जा सके।

विधानसभा की एससी, एसटी व बीसी कल्याण समिति द्वारा कल्याण योजनाओं का मूल्यांकन

विधायक सरबजीत कौर माणूके, डॉ. जसबीर सिंह संधू, इंजीनियर अमित रतन, मास्टर जगसीर सिंह, डॉ. नछत्तर पाल, बलविंदर सिंह धालीवाल, दलवीर सिंह टोंग ने अधिकारियों के साथ की बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

पंजाब विधानसभा की अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और पिछड़ी श्रेणियों (बीसी) की भलाई के लिए गठित समिति ने वीरवार को बचत भवन, लुधियाना में जिला प्रशासन के अधिकारियों से केंद्र और पंजाब सरकार की ओर से इन वर्गों के लिए चलाई जा रही कल्याण योजनाओं का मूल्यांकन किया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर लुधियाना तथा वरिष्ठ पुलिस कप्तान (एसएसपी) लुधियाना (देहाती) के अधिकारियों के साथ एससी वर्ग से संबंधित प्राप्त शिकायतों और एट्रोसिटी मामलों की संपूर्ण रिपोर्ट का निरीक्षण भी किया गया। इस उच्चस्तरीय समिति की अध्यक्षता जगराओं से विधायक सरबजीत कौर माणूके ने की। समिति में अमृतसर पश्चिम से विधायक डॉ. जसबीर सिंह संधू, बठिंडा देहाती से विधायक इंजीनियर अमित रतन, भुच्चो से विधायक मास्टर जगसीर सिंह, नवांशहर से विधायक डॉ. नछत्तर पाल, फगवाड़ा से विधायक बलविंदर सिंह धालीवाल तथा बाबा बकाला से विधायक दलवीर सिंह टोंग शामिल हुए। समिति ने विभिन्न कल्याण योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र व पंजाब सरकार की कल्याण योजनाओं का पूरा लाभ निचले स्तर तक उन जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाए, जो इसके पात्र हैं। समिति ने पुलिस कमिश्नर लुधियाना और वरिष्ठ पुलिस कप्तान (एसएसपी) लुधियाना (देहाती) के पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़ी श्रेणियों से संबंधित उनके कार्यालयों में लंबित पड़ी शिकायतों का 15 दिनों के भीतर निपटारा कर इसकी रिपोर्ट पंजाब विधानसभा, चंडीगढ़ को भेजी जाए। बैठक से पहले डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन और पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने समिति का स्वागत किया। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) राकेश कुमार ने समिति को भरोसा दिलाया कि उनके सभी निर्देशों को पूरी तरह लागू किया जाएगा।

पीआईबी जयपुर द्वारा पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने चंड़ीगढ़ दौरे में रेल परियोजनाओं की जानकारी ली

चंड़ीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), जयपुर द्वारा वरिष्ठ संपादकों एवं रिपोर्टरों का प्रतिनिधिमंडल 18 से 23 फरवरी 2026 के दौरान चंडीगढ़, पंजाब व हरियाणा के दौरे पर है। इस दौरान रेलवे द्वारा संचालित अमृत भारत स्टेशन रेल परियोजनाओं का अवलोकन किया। संयुक्त महाप्रबंधक सौरभ सिंह ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 462 करोड़ रुपए से रेलवे स्टेशन का विस्तार किया जाएगा। इसके अंतर्गत विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं को लेकर कार्य किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत आरएलडीए के वरिष्ठ अधिकारियों, मुख्य परियोजना प्रबंधक बलबीर सिंह एवं संयुक्त महाप्रबंधक (परियोजनाएं) सौरभ सिंह ने किया। अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन के प्रोजेक्ट की परियोजना की परिकल्पना एवं प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी तथा निर्माण स्थल का अवलोकन कराया। परियोजना का संक्षिप्त विवरण एवं वित्तीय स्थिति चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास आरएलडीए द्वारा ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन) मोड पर किया जा रहा है। यह परियोजना स्टेशन को आधुनिक एवं विश्वस्तरीय परिवहन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो चंडीगढ़ ट्राइसिटी क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करेगी। प्रतिनिधिमंडल ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ का दौरा किया।

बाल भिक्षा में शामिल बच्चों के पुनर्वास पर जोर

डीसी ने कहा- बाल भिक्षा में शामिल बच्चों की पहचान कर उनकी सुरक्षा, उचित देखभाल, काउंसलिंग और पढ़ाई के लिए ठोस उपाय किए जाए

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

शहर में बाल भिक्षा की समस्या के खात्मे के लिए डिप्टी कमिश्नर डा.हिमांशु अग्रवाल ने बाल भिक्षा को रोकने और इसमें शामिल बच्चों के पुनर्वास के लिए संवेदनशील और ठोस प्रयास करने पर जोर दिया। यहां जिला प्रशासकीय परिसर में प्रोजैक्ट जीवनजोत 2.0 की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि बाल भिक्षा केवल कानूनी मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानवीय दृष्टि से भी गंभीर चुनौती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस समस्या के समाधान के लिए बाल भिक्षा में शामिल व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ बाल भिक्षा में शामिल बच्चों की पहचान कर उनकी सुरक्षा, उचित देखभाल, काउंसलिंग और पढ़ाई के लिए ठोस उपाय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि उन्हें अच्छा भविष्य दिया जा सके।

डॉ. अग्रवाल ने ऐसे बच्चों के माता-पिता के पुनर्वास पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता को कौशल प्रशिक्षण आदि उपलब्ध करवाया जाए, ताकि उनके लिए रोजगार का रास्ता साफ हो सके और वह अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकें तथा बच्चों को भिक्षा मांगने की ओर धकेलने की मजबूरी खत्म हो सके। उन्होंने इलाका अनुसार चेकिंग अभियान चलाने और इसे लगातार जारी रखने के निर्देश दिए, ताकि शहर को बाल भिक्षा से पूरी तरह मुक्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि बाल भिक्षा को रोकने संबंधी अभियान में एन.जी.ओ. को शामिल किया जाए, जो इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने संदिग्ध मामलों में डी.एन.ए. टेस्ट करवाने का निर्देश भी दिया, ताकि बच्चों की पहचान और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 की धारा 76 के अनुसार बच्चों को भिक्षा में उपयोग करने वालों को सख्त सजा हो सकती है। उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति द्वारा बच्चे को भिक्षा में उपयोग करने पर 5 साल तक की सजा और एक लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा बच्चे को भिक्षा में उपयोग के लिए उसके अंग काटे जाते है तो उस व्यक्ति को 7 से 10 साल तक की सजा और 5 लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है।

परीक्षा केंद्रों और अस्पतालों के पास डीजे बजाने पर होगी सख्त कार्रवाई

जालंधर (जालंधर ब्रीज). डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने विद्यार्थियों और मरीजों के लिए शांतमयी माहौल सुनिश्चित बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थाओं और अस्पतालों के पास डी.जे. न बजाने की सख्त हिदायत करते हुए कहा कि डी.जे. बजाने पर जहां सामान जब्त किया जाएगा, वही प्रबंधकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने ऊंची आवाज में लाउड स्पीकरों और प्रेशर हॉर्नों का इस्तेमाल न करने की भी सख्त हिदायत की है।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि उनके ध्यान में आया है कि लाउड स्पीकरों के इस्तेमाल से विद्यार्थियों को विशेषकर परीक्षाओं के दिनों में असुविधा होती है। उन्होंने आगे कहा कि अस्पतालों में दाखिल मरीजों को भी बहुत ज्यादा शोर करके परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन जगहों को पहले ही साइलेंस जोन घोषित किया गया है लेकिन इसके बावजूद डी.जे./लाउड स्पीकरों का इस्तेमाल जनता के लिए समस्याएं पैदा कर रहा है। डॉ. अग्रवाल कहा कि परीक्षाओं के मद्देनजर और मरीजों की सेहतयाबी के लिए ऐसी संवेदनशील जगहों के आस-पास शांति बरकरार रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने संबंधित विभागों को हिदायत करते हुए कहा कि इस संबंधी मामला सामने आने पर सख्त कार्रवाई करने से गुरेज न किया जाए। डिप्टी कमिश्नर ने डी.जे. मालिकों को मैरिज पैलेसों में डी.जे. की आवाज निर्धारित सीमा के अंदर रखने की हिदायत भी की। उन्होंने उल्लंघना करने की सूरत में सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने ऊंची आवाज में लाउड स्पीकर और प्रेशर हॉर्नों का इस्तेमाल न करने के लिए भी कहा।

आरटीओ ने ओवरलोड वाहनों पर की सख्त कार्रवाई, 3.20 लाख रुपए जुर्माना वसूला

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर- कम- चेयरपर्सन जिला सड़क सुरक्षा कमेटी आशिका जैन के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रभावी कार्रवाई को सुनिश्चित करने हेतु ओवरलोड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का संचालन आरटीओ अमनदीप कौर घुम्मण की देखरेख में किया गया। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने कहा कि जिला प्रशासन सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है और ओवरलोडिंग, तेज गति, नशे में वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

आरटीओ अमनदीप कौर घुम्मण ने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष नाकेबंदी कर वाहनों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर चलते पाए गए, जो सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा होने के साथ-साथ सड़क के बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

आंखों की रोशनी लौटी, 29 बुजुर्गों के मोतियाबिंद ऑपरेशन सफल

जालंधर ब्रीज (जालंधर). "साडे बुजुर्ग साडा मान" मुहिम के तहत स्वास्थ्य विभाग जालंधर और सामाजिक सुरक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से "अटल वयो अभ्युदय योजना" अंतर्गत बुजुर्गों को विशेष स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी कड़ी में बुधवार को 29 बुजुर्ग मरीजों के मोतियाबिंद के मुफ्त ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए। ऑपरेशन के बाद वीरवार को सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग ने स्वयं मरीजों से मुलाकात की, उनका हाल-चाल जाना और उनकी पोस्ट-ऑपरेटिव जांच की। उन्होंने खुद मरीजों की आंखों से पट्टियां खोलकर स्वास्थ्य की समीक्षा की। इस अवसर पर ईएसआई मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. ज्योति शर्मा और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राकेश चोपड़ा भी उपस्थित रहे। मरीजों को मुफ्त चश्मे और आवश्यक दवाइयां भी वितरित की गईं। बुधवार को आई मोबाइल यूनिट की टीम ने, एसएमओ डॉ. गुरप्रीत कौर और डॉ. अरुण वर्मा की अगुवाई में इन सभी मरीजों के सफल ऑपरेशन किए।

छत्तबीर चिड़ियाघर में बाघ के तीन मादा बच्चों का नाम गरिमा, गुंजन और ग़ज़ल रखा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

छत्तबीर चिड़ियाघर में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक ने मादा बाघ गौरी से जन्मे तीन मादा बच्चों का नाम गरिमा, गुंजन और ग़ज़ल रखा। उल्लेखनीय है कि ये तीनों बच्चे पिछले साल 5 नवंबर को जन्मे थे और अब इन्हें 3 महीने की उम्र पूरी होने के बाद किसी बड़े स्थान में छोड़ा जाएगा। इन तीनों में से दो का रंग सफेद है और एक का रंग भूरा है। इससे चिड़ियाघर में बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है।

वन्यजीवों की देखभाल और लोगों को उनकी भलाई एवं संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में, मंत्री ने छत्तबीर चिड़ियाघर का फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट भी लॉन्च किया। सोशल मीडिया को वन्यजीवों और प्रकृति संरक्षण का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए मंत्री ने आशा व्यक्त की कि इससे वन्यजीव संरक्षण संबंधी राज्य सरकार के प्रयासों की पहुंच में और भी वृद्धि होगी। कटारूचक ने बताया कि अप्रैल माह में चिड़ियाघर की गोल्डन जुबली पूरी हो जाएगी।

ईशान किशन की टी20 रैंकिंग के टाप-10 में एंट्री

गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर बरकरार

स्पोर्ट्स डेस्क. भारतीय सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने मौजूदा टी20 विश्व कप में 40 गेंदों पर 77 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बना ली है। 732 रेटिंग अंकों के साथ वह रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को पीछे छोड़ते हुए, वह अब टी20 प्रारूप में आईसीसी रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। आईसीसी रैंकिंग के पिछले अपडेट के बाद से किशन ने नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 61 और 77 रन बनाए हैं, जिसके चलते उन्हें रैंकिंग में इतने अंक मिले हैं। वहीं, टी20 विश्व कप में कई बार शून्य पर आउट होने के बावजूद, अभिषेक शर्मा 891 रेटिंग अंकों के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं और दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के फिल साल्ट से 83 अंक आगे हैं, जिनका प्रदर्शन इस मेगा टूर्नामेंट में अब तक अच्छा नहीं रहा है।

फोटो-बीसीसीआई

तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं, जबकि पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान भारत के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। रैंकिंग में उछाल मारने वाले अन्य बल्लेबाजों में श्रीलंका के पथुम निस्संका शामिल हैं, जो टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया को बाहर करने वाले अपने शानदार शतक के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के ऑलराउंडर साइम अयूब ने आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया है, जबकि हार्दिक पांड्या इस मामले में तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा शीर्ष स्थान से हट गए हैं, लेकिन वे अयूब से सिर्फ छह रेटिंग अंक पीछे हैं। गेंदबाजों में, जिम्बाब्वे के ब्रैड इवांस 10 पायदान ऊपर चढ़कर 680 अंकों की करियर-बेस्ट रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। अन्य भारतीय गेंदबाजों में, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह क्रमशः 14वें, 15वें और 16वें स्थान पर हैं और अगले सप्ताह रैंकिंग में ऊपर चढ़ने की संभावना है क्योंकि भारत को अगले अपडेट से पहले कुछ और मैच खेलने हैं।

किसानों की आय में वृद्धि और फसली विविधता को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि-प्रसंस्करण यूनिटों का विस्तार

कृषि मंत्री ने किसानों को सशक्त बनाने और निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए फाजिल्का जिले में तीन उच्च-प्रभाव वाली परियोजनाओं का किया उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने कृषि-प्रसंस्करण क्षेत्र को और मजबूत करने तथा फसली विविधता को प्रोत्साहित करने के लिए फाजिल्का जिले में स्थापित तीन प्रसंस्करण यूनिटों में व्यापक विस्तार किया है। पंजाब के कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने फाजिल्का जिले के गांव आलमगढ़ में पंजाब एग्री एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पी.ए.जी.आर.ई.एक्स.सी.ओ.) द्वारा स्थापित तीन महत्वपूर्ण विस्तारित यूनिटों का उद्घाटन किया। इन यूनिटों में मिर्च प्रसंस्करण यूनिट, सिट्रस प्रसंस्करण यूनिट और हाई-टेक प्रोटेक्टेड कल्टिवेशन नर्सरी शामिल हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि ये यूनिटें न केवल किसानों की आय में वृद्धि करेंगी, बल्कि पंजाब को उच्च-मूल्य वाले प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भी स्थापित करेंगी। इस क्षेत्र के मिर्च उत्पादकों की सुविधाओं में वृद्धि करते हुए श्री खुड्डियां ने बताया कि पी.ए.जी.आर.ई.एक्स.सी.ओ. द्वारा आलमगढ़ में अपने मौजूदा फल एवं सब्जी प्रसंस्करण संयंत्र में एक नई अत्याधुनिक मिर्च प्रसंस्करण इकाई स्थापित की जा रही है। उन्होंने कहा कि 3 मीट्रिक टन प्रति घंटा की विस्तृत क्षमता के साथ, यह यूनिट कुल मिर्च प्रसंस्करण क्षमता को 1 मीट्रिक टन प्रति घंटा से बढ़ाकर 4 मीट्रिक टन प्रति घंटा कर देगी।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.